# ग्रहों की गोलाकार आकृति

**स्रोत: द हिंदू**

ग्रहों की गोलाकार आकृति मुख्यतः **गुरुत्वाकर्षण और ज्यामिति** के परस्पर प्रभाव के कारण है।

- **गुरुत्वाकर्षण** वह प्राथमिक बल है जो ग्रहों को आकार देता है तथा उनके **विशाल आकार** के कारण उन्हें गोलाकार आकृति में परिवर्तित कर देता है।
- **एक गोला सबसे सघन त्रि-आयामी आकार** प्रदान करता है, **जो किसी दिये गए आयतन के लिये सतही क्षेत्र को कम करता है।**
- यद्यपि इन्हें सामान्यतः गोलाकार कहा जाता है, परंतु वास्तव में ये **ग्रह और तारे चपटे गोलाकार आकृति वाले होते हैं,** जो घूर्णन से उत्पन्न **अपकेंद्रीय बल** के कारण ध्रुवों पर चपटे होते हैं।
- ध्रुवों की तुलना में भूमध्य रेखा पर **गुरुत्वाकर्षण बल क्षीण** होता है, क्योंकि **घूर्णन** से उत्पन्न केंद्रापसारी बल के कारण वहाँ उभार होता है।
- **गुरुत्वाकर्षण के कारण आकाशीय पिंड गोलाकार आकृति में आ जाते हैं,** जबकि धूमकेतु और क्षुद्रग्रह जैसे छोटे पिंड अधिक शक्तिशाली **विद्युत चुंबकीय बलों** के कारण अनियमित आकार को बनाए रखते हैं।

**और पढ़ें: धूमकेतु सी/2020 एफ3 नियोवाइज़**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/spherical-shape-of-planets